

## प्रमुख जैवविविधता क्षेत्रों (KBA) के तापमान में वृद्धि

### प्रलिस के लिये:

प्रमुख जैव विविधता क्षेत्र (KBA), कूनमगि-मॉन्टरयिल वैश्विक जैव विविधता ढाँचा, एंडीज परवत, उषणकटबिधीय वन, बरडलाइफ इंटरनेशनल, महततवपूरण पक्षी और जैवविविधता क्षेत्र (IBA), वरलड कंज़रवेशन कॉन्ग्रेस, प्रकृति के संरक्षण के लिये अंतरराष्ट्रीय संघ (IUCN), प्रमुख जैव विविधता क्षेत्र साझेदारी, वर्षावन, मैंग्रोव, कार्बन पृथक्करण, पोषक चक्रण ।

### मेन्स के लिये:

उषणकटबिधीय पारस्थितिकी तंत्र में प्रमुख जैव विविधता क्षेत्रों (KBA) पर ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, उषणकटबिधीय पारस्थितिकी तंत्र के क्षरण को रोकने के लिये आवश्यक उपाय ।

### स्रोत: डाउन टू अर्थ

### चर्चा में क्यों?

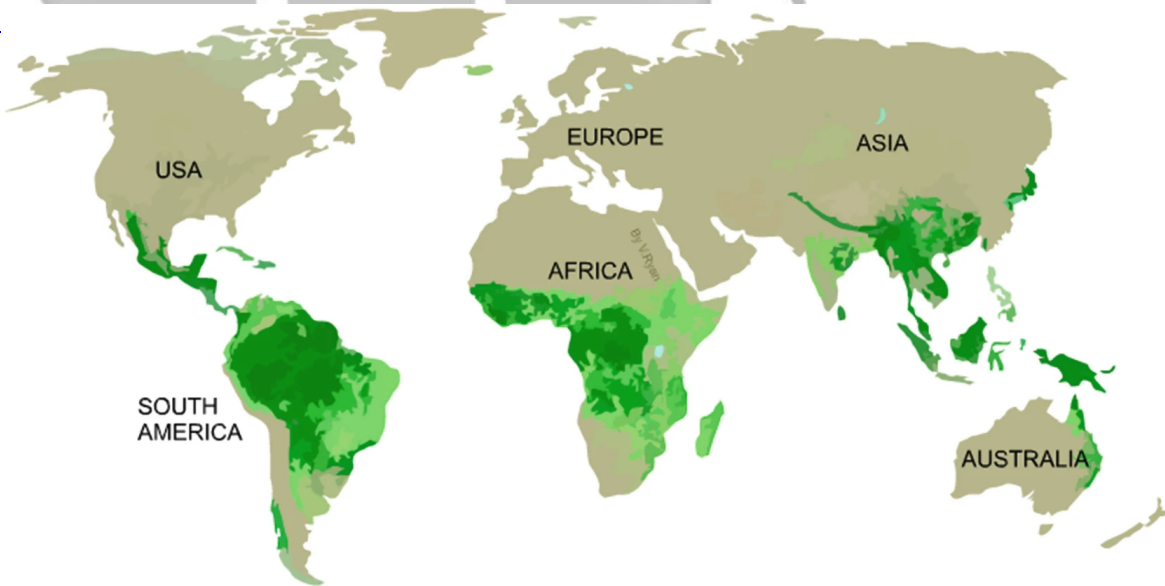
हाल ही में एक अध्ययन से पता चला है कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के कारण उषणकटबिधीय वनों में प्रमुख जैव विविधता वाले क्षेत्र (key biodiversity areas- KBA) नई तापमान व्यवस्था/न्यू टेम्परेचर रेंज (उच्च तापमान) में परिवर्तित हो गए हैं ।

- कूनमगि-मॉन्टरयिल वैश्विक जैवविविधता फ्रेमवर्क का लक्ष्य वर्ष 2030 तक विश्व की कम-से-कम 30% भूमिका संरक्षण करना है, जिसमें प्रमुख जैवविविधता क्षेत्रों (KBA) को मुख्य प्राथमिकता दी जाएगी ।

### नोट:

उषणकटबिधीय वर्षावन घने और उषण वन हैं जो आमतौर पर भूमध्य रेखा के उत्तर और दक्षिण में 23.5 डिग्री के बीच पाए जाते हैं ।

//



## कृममगल-मॉनटरगल वेश्वकल जैवववलधलतल फुरेमवरुक (KMGBF) क्यल है?

- परकलतल: यह एक बहुपकषीय संधल है, जसकल उददेश्य वरुष 2030 तक वेश्वकल सतर पर जैव ववलधलतल के नुकसन को रोकनल और कम करनल है। इसे दसलंबर, 2022 में UNCBD के पलरटलतल के समुमेलन (CoP) की 15वीं बैठक के दौरलन अपनलतल गलतल थल।
- उददेश्य और लकष्य: यह सुनशलकतल करतल है कल वरुष 2030 तक कषीण हो चुके स्थलीय, अंतरदेशीय जल, तथल समुद्री एवं तटीय पलरसलथतलकल तंतर के कम-से-कम 30% कषेत्रों कल परभलवी पुनरसुथलपन हो जल।
  - इसमें वरुष 2030 तक के दशक में तत्कलल कलररवलई के लतल 23 कलर्य-उनमुख वेश्वकल लकष्य है, जनलमें परमुख जैव ववलधलतल कषेत्र (KBA) मुख्य परलथमकलतल के रूप में है।
- दीरुघकललकल दृषुटलकलण: इस रूपरेखल में यह परकललपनल की गई है कल वरुष 2050 तक परकृतल के सलथ सलमंजस्य सुथलपतल करने के लतल सलमूहकल परतलबलदधतल होगल, जो जैव ववलधलतल संरकषण और सतत उपयोग पर वरुतमलन कलर्यों एवं नीतलतल के लतल एक आधलरभूत मलरगदरशकल के रूप में कलर्य करेगल।

## अधुयन की मुख्य बलतें क्यल हैं?

- KBA में तलपमलन परवलरुतन: उषुणकटलबलधीय वन KBA कल 66% हसलसल एक नए करण में परवेश कर चुकल है, जसकल वशलषतल नई औसत वलरुषकल तलपमलन वुवसुथल है।
- कषेत्रीय तलपमलन परवलरुतन: तलपमलन परवलरुतन कल अनुभव करने वलले परमुख जैव ववलधलतल कषेत्रों (KBA) कल परतशलत अफरीकल में 72%, लैटनल अमेरकल में 59% और एशलतल तथल ओशनलतलतल में 49% थल।
  - हललकल, एशलतल और ओशनलतलतल में, 12% KBA ने नए तलपमलन परदृशलतल में परवलरुतन नहीं कतलतल है, हललकल इनमें से 23% असुरकषतल है।
  - यदुतपल एशलतल और ओशनलतलतल में 23% KBA असुरकषतल है, तथलपलतलनमें से 12% ने नए तलपमलन परदृशलतल को नहीं दरशलतल है।
- ऊरुधुवलधलर तलपमलन परवलरुतन: खुले वलतलवरण की तुलनल में वनलकषलदलन के नीचे की जलवलतु अधकल सुथरल होती है तथल यलं तलपमलन में कम परवलरुतन होता है।
- असंगत परभलव: लैटनल अमेरकल (2.9%) तथल एशलतल और ओशनलतलतल (0.4%) में कुकुष KBA ललगभग पूरी तरह से नई तलपमलन सुथतलतलतल में सुथलनलंतरतल हो गए हैं, जसलमें 80% से अधकल मलप उनकल पछलली सीमलओं के बलहर है।
  - इनमें इकुवलडोर, कललंबलतल, वेनेजुएलल और पनलमल के उषुणकटलबलधीय एंडीज परवतमलल के कषेत्र शलमलल है।
- सुथरल KBA: उषुणकटलबलधीय वन KBA कल ललगभग 34% हसलसल अभी तक नए तलपमलन परलरूप कल अनुभव नहीं कर पलतल है, तथल इनमें से आधे से अधकल कसलल न कसलल परकलर के संरकषण में है।
  - उतुतरी ऑसुदरेलतल के उषुणकटलबलधीय वन, नवलन तलपमलन सुथतलतलतल से सलबसे कम परभलवतल होने वलले वनों में से है।

## परमुख जैवववलधलतल कषेत्र (KBA) क्यल है?

- अवधलरणल की उतुपतुतल: बरुडललइफ इंतरनेशनल ने महतुवपूरुण पकषी और जैवववलधलतल कषेत्रों (IBA) की पहकलन कर इस मॉडल की शुरुआत की। इस मॉडल की सफलतल ने अनुय टैकसोनलमकल समूहों, जैसे पौधों, ततललतलतल और मीठे पलनी तथल समुद्री जैवववलधलतल को शलमलल कतलतल।
  - वरुष 2004 में बैककॉक में वरुलड कंजुरवेशन कॉनग्रेस में, अंतरशलरुषुदरीय परकृतल संरकषण संघ (IUCN) ने एक एकीकृत ढलँचे की आवशुतकतल को पहकलनल, जसकल परणलतल वरुष 2016 के वेश्वकल KBA मलनक के रूप में हुई।
- KBA के बलरे में: KBA वे सुथल है जो जैवववलधलतल की वेश्वकल सुथरलतल में महतुवपूरुण तुगदलन दे रहे हैं।
  - इनमें वशलषलट परजलतलतलतल यल केवल सीमलतल कषेत्रों में पलई जलने वलली परजलतलतलतल हो सकतल है, और ये गुरह के सुवलसुथुतल के लतल महतुवपूरुण है।
- मलनतुतल के लतल मलनदंड: पलँच शुरेणतलतल के अंतरगत 11 मलनदंड हैं जनलहें कसलल सलइट को KBA के रूप में अरुहतल परलपुत करने के लतल पूरल करनल होगल। ये शुरेणतलतल हैं:
  - संकटगुरसुत जैवववलधलतल
  - भौगलकल दृषुटल से परतलबलधतल जैवववलधलतल
  - पलरसलथतलकल अखंडतल
  - जैवकल परकुरतलतल
  - सुथरलतल
- वेश्वकल KBA उतुसुथतलतल: वरुतमलन तक, वशलव में 16,000 से अधकल KBA कल मलनकतलरुण कतलतल जल चुकल है।
  - परमुख जैवववलधलतल कषेत्र सलझेदलरी, जसलमें 13 वेश्वकल संरकषण संगठन शलमलल है, वशलव में KBA की पहकलन, मलनकतलरुण और संरकषण के लतल कलर्य कर रही है।
    - भरत में 862 परमुख जैवववलधलतल कषेत्र (KBA) है, जो जैवववलधलतल के संरकषण के लतल महतुवपूरुण है, जैसे पशुकलमी घलट।



## उष्णकटबिन्धीय वनों और KBA पर बढ़ते तापमान का क्या प्रभाव है?

- **स्थिर सूक्ष्म जलवायु (माइक्रो-क्लाइमेट) में व्यवधान:** अचानक होने वाले परिवर्तन उनकी तापीय सहनशीलता को पार कर सकते हैं, जिससे नुकसान हो सकता है। स्थिर सूक्ष्म जलवायु के भीतर वशिष्ट स्थानों पर रहने वाली प्रजातियों को आवासों के नुकसान सामना करना पड़ सकता है।
- **जैवविविधता के लिये खतरा:** तापमान में वृद्धि से आवासों का नुकसान हो सकता है, विशेष रूप से वर्षा वनों, **मैंग्रोव** और **प्रवाल भित्तियाँ** जैसे संवेदनशील पारस्थितिकी तंत्रों में।
- **पारस्थितिकी तंत्र सेवाओं में परिवर्तन:** बढ़ते तापमान से पारस्थितिकी तंत्र सेवाएँ जैसे **कार्बन पृथक्करण**, **जल वनियमन** और **पोषक चक्रण** प्रभावित हो सकता है।
- **आक्रामक प्रजातियों का खतरा:** अधिक तापमान के कारण **आक्रामक प्रजातियाँ** में वृद्धि हो सकती है तथा देशी प्रजातियों से प्रतस्पर्द्धा में आगे निकल सकती है।
- **वनों की कटाई और क्षरण:** उच्च तापमान के कारण वनों की कटाई और क्षरण में वृद्धि हो सकती है, क्योंकि इससे पारस्थितिकी तंत्र वनाग्नि, कीटों और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकता है।
- **प्रजातियों की संरचना में बदलाव:** कई प्रजातियाँ ठंडी परिस्थितियों की तलाश में अधिक ऊँचाई या अक्षांशों की ओर पलायन कर सकती हैं, जिससे प्रजातियों का स्थानीय स्तर पर विलुप्त होना संभव है।
- **मानव समुदायों पर प्रभाव:** बढ़ते तापमान से वन उत्पादकता प्रभावित हो सकती है, जिससे भोजन, दवा और आश्रय के लिये उष्णकटबिन्धीय वनों पर निर्भर स्थानीय एवं स्वदेशी समुदायों की आजीविका को खतरा हो सकता है।

## बढ़ते तापमान से प्रमुख जैवविविधता क्षेत्रों की सुरक्षा किस प्रकार की जा सकती है?

प्रकृति-आधारित समाधान विकसित करना और उनका वसतिार करना	जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिये पारस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाना, एकल-फसल वृक्षारोपण जैसी अनुपयुक्त प्रथाओं से बचना तथा विविधि, अनुकूल पारस्थितिकी तंत्रों पर ध्यान केंद्रित करना।
पारस्थितिकी तंत्र को पुनरस्थापित करना	कार्बन अवशोषण और जैवविविधता को बढ़ाने के लिये वनों, आर्द्रभूमि, पीटलैंड और मैंग्रोव के संरक्षण एवं पुनरस्थापन को प्राथमिकता दीजिये।
पुनःवनीकरण पहल	पारस्थितिकी तंत्र को बहाल करने के लिये <b>देशी प्रजातियों के पुनःप्रवेश</b> सहित <b>पुनःवनीकरण रणनीतियों</b> का अन्वेषण करना।
आवास संपर्क पहल	<b>खंडित आवासों</b> को जोड़ने के लिये गलियारों का निर्माण करना, जिससे प्रजातियों को प्रवास करने तथा बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल

अवसर प्राप्त हों।

आक्रामक प्रजाति प्रबंधन

आक्रामक प्रजातियों के प्रसार तथा वशिष रूप से आक्रामक प्रजातियों को नशाना बनाने वाले प्राकृतिक शिकारियों को रोकने के लिये, सीमाओं पर उत्पादों (पौधों, जानवरों और मट्टि) की नगिरानी और नरीक्षण कया जाना चाहयि।

?????? ???? ???? ????:

प्रश्न: प्रमुख जैवविधिता क्षेत्र (KBA) क्या हैं? यह ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से कसि प्रकार प्रभावति होते हैं?

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. "मोमेंटम फॉर चेंज: क्लाइमेट न्यूट्रल नाउ" यह पहल कसिके द्वारा शुरू की गई थी? (2018)

- (a) जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी पैनल
- (b) UNEP सचविलय
- (c) UNFCCC सचविलय
- (d) वशिष मौसम वज्जान संगठन

उत्तर: (c)

??????:

भारत सरकार दवा कंपनयिों द्वारा दवा के पारंपरिक ज्जान को पेटेंट कराने से कैसे बचाव कर रही है? (वर्ष 2019)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/warming-of-key-biodiversity-areas>

